सीम्स में उपलब्ध सुविधाएं

- आंख्रो की संपूर्ण जांच और मोतियाबिंद (केटरेक्ट) का स्पेश्यल युनिट
- आंख्रो की आम तकलीफो के निदान के लिये एवंम इंट्राओक्युलर लेंस के नंबर की जांच करने के लिये ए-स्केन अल्ट्रासाउन्ड बायो मेट्री
- सर्जरी के लिये ख्रास माइक्रोस्कोप (जैस्स)
- फेको इमल्सिफिक्रेशन युनिट (जैस्स)
- टरिजियमम और पलको की तकलीफो की प्लास्टिक सर्जरी द्वारा इलाज

रेटिना क्लिनिक

- डायाबिटिज़ (मधुमेह), हायपरटेंशन (BP) और बढती उंमर कि वजह से होने वाले आंख्रो की रेटिना से संबंधित रोगो का निदान

ग्लुकोमा क्लिनिक

- इंट्राओक्युलर प्रेशर नापने के लिए एप्लानेशन और पेचीमिटर
- आंख्र के पूर्वकाल भाग की गोनिओस्कोपिक जांच
- ग्लुकोमा की वजह से आंख्र की तंत्रिका को होने वाले नुकसान की जांच करने के लिये हम्फ्ले फील्ड एनलैजर (जैस्स)
- लेजर और सर्जरी द्वारा ग्लुकोमा का इलाज

पिडीयाट्रिक आई क्लिनिक (बच्चो की आंख्रो के लिए ख्रास क्लिनिक)

- चश्मो ओर कोंटेक्ट लेंस की मदद से अपवर्तक त्रुटियाँ को सुधारने के लिये योग्य ओप्टोमेट्रिस्ट्स (ओप्टिकल विशेषज्ञ)
- बच्चो में एम्ब्लियोपिया का मूल्यांकन और प्रबंधन
- समय से पहले जन्मे बच्चो कि आंख्रो की जांच

कैशलेस सुविधा उपलब्ध है

डॉ. जिग्नेश एच. शाह

MBBS, MS, DO

ओप्थलमोलोजीस्ट,

फेको और लेसिक सर्जन

मो. **+91-98252 98258**

jignesh.shah@cims.org

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

Joint Commission International | NABH | NABL Certificate No. MC-3049

सीम्स अस्पताल

रजी. ओफिस : प्लोट नं. **67/1**, पंचामृत बंगलो के सामने,
शुकन मोल के पास, सायन्स सीटी रोड, सोला, अहमदाबाद - **380060.**

फोन : **+91-79-2771 2771-75** फेक्स : **+91-79-2771 2770**

अपोइन्टमेन्ट के लिये फोन : +91-79-2772 1008
मोबाईल : +91-98250 66661 ईमेल : opd.rec@cimshospital.org

24 X 7 मेडीकल हेल्पलाईन +91-70 69 00 00 00

सीम्स अस्पतालकी अेप्लीकेशन उपलब्ध है।

Google play | App Store

CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN : U85110GJ2001PTC039962 | info@cims.org | www.cims.org

एम्बयुलन्स और आपातकालीन सेवायें : +91-98244 50000, 97234 50000

सीम्स मोतियाबिंद (केटरेक्ट) की उच्च तकनीक से ईलाज

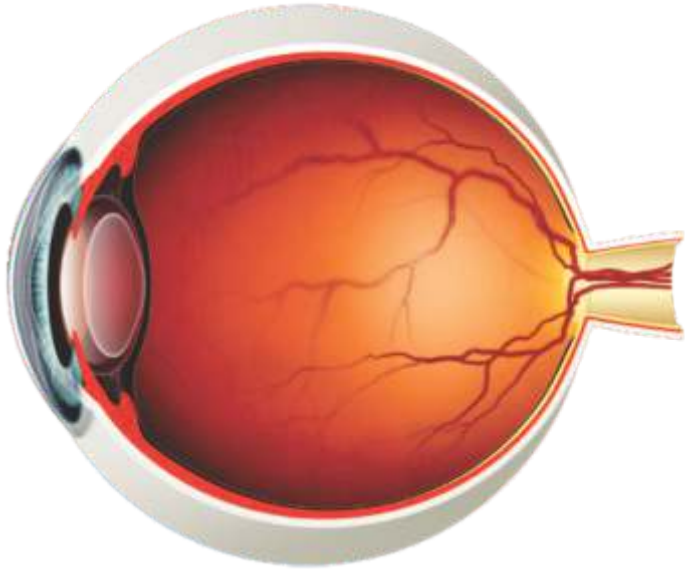

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

Joint Commission International | NABH | NABL Certificate No. MC-3049

मोतियाबिंद क्या है ?

बधती उम्र के कारण आंख का पारदर्शक नेत्रमणी धुंधला हो जाता है जिस वजह से नजर धीरे धीरे कमजोर हो जाती है । इसे मोतियाबिंद कहते है ।

मोतियाबिंद (केटरेक्ट) के लक्षण

- नजर कमजोर हो जाना और आंखो में धुधला दिखना
- रात को गाडी चलाने में दिक्कत होना - सामने से आ रहे वाहनो की तेज रोशनी से परेशानी होना

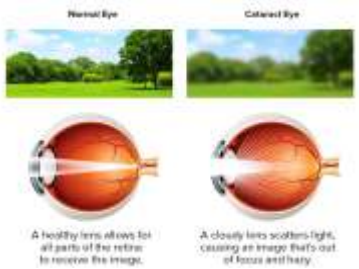

- दोहरा दिखाई देना यानि चीजें दो – दो नजर आनी
- रोशनी के आसपास गोल घेरा दिखना
- दूर के लोगो को देखने में तकलीफ होना
- चश्मे का नंबर बार-बार बदलना
- नजदीक की द्रष्टि में सुधार होना

मोतियाबिंद (केटरेक्ट) का ईलाज कैसे होता है

- मोतियाबिंद का एकमात्र इलाज सर्जरी है ।
- ओप्थेल्मोलोजिस्ट, आपकी आंखो की जांच करने के बाद, तय करेंगे कि आपके लिये मोतियाबिंद की सर्जरी जरुरी है या नही ।
- नई सर्जरी की तकनीको के आगमन से अब मोतियाबिंद की पुरी तरह से परिपक्व होने तक प्रतीक्षा करना आवश्यक नही है ।
- जब भी किसी को मोतियाबिंद कि वजह से देखने में तकलीफ होती है तब वे मोतियाबिंद की सर्जरी करवा सकते है ।
- मोतियाबिंद की सर्जरी किसी भी मौसम में करवा सकते है ।

मोतियाबिंद (केटरेक्ट) की सर्जरी की तकलीफ

१. **फैको इम्लिसफिकेशन (लेन्स पायसीकरण)**

- यह एक नवीनतम तकनीक है जिसमें दर्दी को अस्पताल में दाखिल होने कि जरुरत नहीं है ।
- मोतियाबिंद को अल्ट्रासाउन्ड की मदद से निकाला जाता है ।

फेको सर्जरी के फायदे

- इस सर्जरी में टांके नहीं लिये जाते ।
- सर्जरी में बहुत कम समय लगता है और तकनीक एकदम सटीक है ।
- फोल्डेब्ल लेंस एक छोटे से चीरा के माध्यम से प्रत्यारोपित किया जाता है ।
- सर्जरी के बाद चश्मे का नंबर कम हो जाता है ।
- सर्जरी के बाद द्रष्टि पुनर्वास जल्दी होता है ।

सबसे अच्छा आईओएल (IOL) विकल्प पसंद करना

इंट्राओक्युलर लैंस एक्रिलिक पदार्थ से बना है । उसे मोड कर आंख में डाला जाता है । अंदर जाने के बाद यह लेंस अपने आप खुल जाता है और अपने मूल माप और आकार में आ जाता है । अनेक प्रकार के आईओएल (IOL) लेंस उपलब्ध है जो द्रष्टि में वृध्धि बढाने में मदद करते है । यह मान्यता है कि, मोतियाबिंद की सर्जरी के बाद चश्मे के नंबर पूरी तरह से चले जाता है, गलत है । किस मरीज़ को सर्जरी के बाद कितने नंबर के चश्मे लगेंगे यह इस बात पर निर्भर करता है कि कौनसा आईओएल (IOL) लेंस डाला गयाहै और उनकी आंखो की सेहत कैसी है । आपके डॉक्टर (सर्जन) सर्जरी से पहले आपकी आंखो की पूरी तरह जांच करने के बाद और आपसे आपकी देखने की आवश्यकताओं के बारे में चर्चा करने के बाद ही आपकी आंखो के लिये जरुरी आईओएल (IOL) लेंस की सलाह दे सकते है ।

आईओएल (IOL) लेंस के प्रकार जिनका सर्जरी में उपयोग किया जाता है इंट्राओक्युलर लेंस (IOLs) नरम पारदर्शी शिंथेटीक और जैव-संगत पदार्थ से बनते है । यह लेंस न दिखते है और न आंखो में महसूस होते है । इन लेंस में एक या ज्यादा ज्यादा फोकल पोईन्टस होते है जो आंखो की प्राकृतिक लेंस के द्रश्य गुणो को उत्तेजित करते हैं, ताकि सर्जरी के बाद आप बेहतर द्रष्टि का आनंद ले सके ।

सबसे आम प्रकार के इंट्राओक्युलर लेंस मोनोफोकल ओप्टिक होते है जिनमें सिर्फ एक प्रकार के नंबर होते है जिससे दर्दी एक दूरी तक का अच्छे से देख सकते हैं, ज्यादातर दूर के नंबर होते है ।

दो नंबर वाले लेंस भी होते है यानि बाईफोकल लेंस जिनसे दो अलग-अलग दूरी का दिखाई दे सकता है, ज्यादातर दूर का और नजदीक का । फिर भी मोनोफोकल और बाईफोकल लेंस दोनो में से कोई भी लगवाये, दर्दीओ को सर्जरी के बाद कुच कार्यो के लिये चश्मे तो पहनने ही पडते है ।

ब्लू ब्लोकिंग (पीले रंग का आईओएल)

- इस प्रकार का आईओएल लेंस आंखो को अल्ट्रा वायोले किरनो से होने वाले नुकसान से बचाता है ।

टोरिक आईओल

- इस एडवान्सड तकनीक वाले लेंस में द्रष्टिवैषम्य (सिलिंडर नंबर) होता है जो इनके भितर ही प्रकाशिकी बढाता है ।

मल्टीफोकल आईओएल

- इस सबसे आधुनिक लेंस से दर्दी को दिन प्रतिदिन की गतिविधियां के लिये चश्मे पहनने कि जरुरत नही पडती ।

आईओएल के प्रकार	नजदीक	मध्यम दूरी	दूरी	द्रष्टिवैषम्य
मोनोफोकल एस्फेरिक			●	
टोरिक मोनोफोकल			●	●
बाईफोकल	●		●	
टाइफोकल	●	●	●	
मलटीफोकल टोरिक	●	●	●	●